मध्यप्रदेश राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति मर्या. भोपाल

(म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत)

अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत सोसायटी का उद्देश्य अपने सदस्यों के आर्थिक हित या उनके साधारण कल्याण को सहकारी सिध्दांतों के अनुसार संपरिवर्धित करना है एवं भारत सरकार द्वारा **पारित हेण्डलूम एक्ट 1985 में वर्णित भारत का राजपत्र : असाधारण के आदेष नई दिल्ली 3 सितम्बर 2008 एस0ओ0 2160 (ई) में वर्णित आर्टीकल्स वस्त्र " साड़ी, धोती पुरूष ,टॉवल,गमछा,अंगवस्त्र,लुंगी,बेडषीट,दरी,ड्रेस मटेरियल, कम्बल, षॉल, कोट, चादर,"का निर्माण कर केन्द्र सरकार और म0प्र0सरकार को उन वस्त्रों की पूर्ति करना** , भारत सरकार और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकारी योजनाओं के कियान्वयन में भरपूर सहयोग करना या ऐसी संकियाओं को सुगम बनाने के उददेश्य से इस अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जो पंजीकृत की गई है ।

क. 1– नाम, पता, कार्यक्षैत्र–

1	**समिति का नाम–**	मध्यप्रदेश राज्य पारस वि|ा हथकरघा समिति मर्या. भोपाल
2	**समिति का पंजीकृत पता–** (यदि शाखाएं हों तो उसका विवरण)	महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंसेज एण्ड रिसर्च , आरजीपीवी के पीछे, नई जेल रोड, भोपाल
3	**समिति का कार्यक्षैत्र–**	संपूर्ण मध्यप्रदेश

क. 2–परिभाषाएं–

1	**अधिनियम–**	से तात्पर्य म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 से है ।
2	**सहकारी वर्ष–**	से तात्पर्य 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष है ।
3	**पंजीयक–**	से तात्पर्य अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत वर्णित पंजीयक, अपर पंजीयक, संयुक्त पंजीयक, उप पंजीयक एवं सहायक पंजीयक से है ।
4	**कार्यक्षैत्र–**	से तात्पर्य वह क्षैत्र है जहां कि सदस्य समिति की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं ।

5	**उपविधि–**	से तात्पर्य म.प्र. सहकारी सोसायटी नियम 6 के निर्धारित विषयों के अंतर्गत तैयार की गई उपविधि से है जो सदस्यों व्दारा मान्य की जाकर पंजीयक से अनुमोदित है । इसमें समय–समय पर कराये गये संशोधन भी मान्य होंगे ।
6	**संचालक मंडल–**	से तात्पर्य अधिनियम की धारा 48 के अधीन शासी निकाय या प्रबंधन से है जो सोसायटी के कार्यकलापों का प्रबंधन तथा संचालन एवं नियंत्रण करेगा ।
7	**वित्तदायी संस्था–**	से तात्पर्य राष्ट्रीय/राज्य स्तर की सहकारी संस्था या केंद्र या राज्य सरकार या जिला/राज्य स्तर की बैंक जो सहकारी सोसायटी को या सदस्य को वित्तीय सहायता, अग्रिम या उधार दे सके।
8	**सदस्य–**	से तात्पर्य सोसायटी के रजिस्ट्रेशन के आवेदन पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति व संस्था की उपविधि को स्वीकार कर अधिनियम/नियम एवं उपविधि के अधीन सदस्यता प्रदान करने का आवेदन किया हो व जिसे मान्य किया है । सदस्यता के अंतर्गत राज्य/केन्द्र सरकार व्दारा अंशपूंजी में किया गया योगदान भी सम्मिलित है ।
9	**नाममात्र का सदस्य–**	से तात्पर्य अधिनियम की धारा 20 के अंतर्गत ऐसा सदस्य जिसके व्दारा सदस्यता के रूप में अंश क्रय किया गया है किन्तु उसे सोसायटी के प्रबंध या लाभांश की अधिकारिता नहीं होगी और सोसायटी के परिसमापन की दशा में लिये गये अंश को छोडकर किसी भी प्रकार का कोई दायित्व नहीं होगा ।
10	**कार्यपालक मजिस्ट्रेट–**	से तात्पर्य दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 20 के अधीन नियुक्त अधिकारी ।
11	**अधिकारी–**	से तात्पर्य ऐसे अधिकारी से है जो सोसायटी की उपविधि के अनुसार निर्वाचित या नियुक्त किया गया है । इसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रबंध संचालक, कोषाध्यक्ष सम्मिलित हैं । इसमें सोसायटी से कारोबार के संबंध में निर्देश देने, कार्य करने, कार्यसंचालन में सहयोग देने के लिये अधिनियम/नियम/उपविधि के प्रावधानों के अंतर्गत निर्वाचित किये गये या नियुक्त किये गये व्यक्ति भी सम्मिलित हैं ।
12	**विनिर्दिष्ट पद–**	से तात्पर्य अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष से है ।
13	**सेवानियम–**	से तात्पर्य म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम की धारा 55 (1) के अंतर्गत नियुक्त किये गये अधिकारी/कर्मचारियों के कार्य संचालन के लिये बनायी गयी नियमावली से है ।
14	**संपरीक्षक–**	से तात्पर्य सहकारी सोसायटी के लेखाओं के संपरीक्षण के लिये नियुक्त किये गये व्यक्ति या सनदी लेखापाल या सनदी लेखापाल फर्म से है ।
15	**लाभांश–**	से तात्पर्य सोसायटी के लाभों में से सदस्य व्दारा धारित किये गये पूर्ण प्रदत्त अंश के अनुपात में निर्धारित राशि से है ।

16	**लोकसेवक–**	से तात्पर्य ऐसा प्रत्येक अधिकारी या व्यक्ति जो सहकारी सोसायटी का अधिकारी एवं कर्मचारी है तथा जो अधिनियम/नियम/उपविधि के अधीन प्रदत्त शक्ति के अंतर्गत कार्य किये जाने के लिये अधिकृत किया गया है, वह भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 21 के अंतर्गत लोकसेवक समझा जाएगा ।
17	**समिति–**	समिति से आशय सहकारिता अधिनियम 1960 में पंजीकृत ऐसी संस्था से है जो सदस्यों व्दारा बनाई गई हो । एक प्रकार के उददेश्यों के लिये संचालित हो एवं किसी भी अन्य संस्था में उसके सदस्य प्रतिनिधित्व कर सकते हों ।
18	**प्रबंध संचालक**	प्रबंध संचालक से आशय ऐसे अधिकारी से है जो अधिनियम, नियम एवं संचालक मंडल व्दारा सौंपे गये दायित्व का निर्वहन कर समिति की सभी व्यवसायिक गतिविधियों का संचालन करे ।
19	**सचिव**	प्रबंध संचालक की सहायता के लिये नियुक्त अधिकारी जो अधिनियम, नियम, उपविधियों का पालन कर दायित्व निर्वहन करे ।

<u>क्र. 3 उददेश्य–</u>

म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति का मुख्य उद्देश्य इसके कार्य क्षेत्र में हथकरघा उद्योग एवं बुनकरों को व्यवसायिक ढंग से संगठित करना तथा राज्य में एवं राज्य के बाहर हथकरघा वस्त्र विपणन व्यवस्था का विकास करना है । भारत सरकार द्वारा **<u>पारित हेण्डलूम एक्ट 1985 में वर्णित भारत का राजपत्र : असाधारण के आदेष नई दिल्ली 3 सितम्बर 2008 एस0ओ0 2160 (ई) में वर्णित आर्टीकल्स वस्त्र " साड़ी, धोती पुरूष ,टॉवल, गमछा, अंगवस्त्र, लुंगी, बेडषीट, दरी, ड्रेस मटेरियल, कम्बल, षॉल, कोट, चादर, " का निर्माण कर केन्द्र सरकार और म0प्र0 सरकार को उन वस्त्रों की पूर्ति करना</u>** । इन उद्देश्यों की पूर्ति हेतु म.प्र. राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति निम्नानुसार कार्य करने के लिये सक्षम होगी –

1		बुनाई के क्षेत्रों में बुनाई का धंधा करने वाले व्यक्तियों की संगठित करना और उन सदस्यों को म.प्र.राज्य पारस वि|ा हथकरघा समिति से संबध्द करना तथा उनको वित्तीय सहायता एवं अनुदान प्रदान करना तथा उनके कार्य संचालन में सहायता करना और उनका विकास करना ।
2		उ|ाग में लगने वाले कच्चे माल एवं हथकरघा, अन्य उपकरण खरीदना तथा उन्हें संबध्द सदस्यों एवं अन्य को बेचना ।
3		म.प्र.राज्य पारस वि|ा हथकरघा समिति किसी प्रकार का कपडा बनाना चाहे तो अपने सदस्यों को सूत, रेशम, Åन तथा आवश्यक यंत्र अथवा उपकरण देना तथा इस प्रकार तो वस्त्रो उत्पादन हुआ है उसके बिक्री की व्यवस्था करना तथा विपणन के लिये प्रचार प्रसार करना।
4		सदस्यों को केवल विशेष परिस्थितियों में कच्चा माल पेशगी के रूप में देना ।
5		उ|ाग से संबंधित उन्नत उपकरण आदि खरीदकर एवं अन्य प्रकार से प्राप्त कर उन्हें किराये या किश्तों पर देना या वितरण करना ।

6		सदस्यों से तैयार माल प्राप्त करना या खरीदना तथा उसे उचित मूल्य पर बेचने की व्यवस्था करना ।
7		कार्यक्षेत्र में तथा पंजीयक की स्वीकृति से कार्य क्षेत्र के बाहर जहां भी आवश्यक हो सदस्य समितियों का बनाया हुआ माल और स्वयं की इकाइयों व्दारा बनाया हुआ माल बेचने के लिये एवं प्रदर्शन के लिये बिक्री केन्द्र खोलना और उन्हें चलाना तथा प्रदर्शनियों , सेमिनारों में समिति व्दारा उत्पादित वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय करना ।
8		अपनी गतिविधियों को विकसित करने के लिये जहां जहां आवश्यक हो शाखाएं तथा भंडार खोलना ।
9		हथकरघा प्रशिक्षण प्रदान करना । प्रशिक्षण हेतु विभिन्न संस्थाओं से संपर्क करना तथा विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सदस्यों को प्रशिक्षण दिलाना । सदस्यों को प्रशिक्षण हेतु संस्थाओं में भेजना तथा समिति में प्रशिक्षण हेतु निधि विकसित करना ।
10		उ|ग से संबंधित रंगाई, छपाई माडी लगाना, धुंलाई आदि कार्य करना एवं आवश्यकता होने पर रंगाई घर एवं अन्य प्रक्रियात्मक कारखाने स्थापित करना ।
11		हथकरघा समिति व्दारा उत्पादित वस्तुओं के नमूना निर्माण कराना नमूना निर्माण की इकाई स्थापित करना, कारखाने को चलाना एवं सदस्यों एवं बुनकरों को प्रशिक्षित करना एवं उन्नत तरीकों पर शीघ्र बिकने योग्य नई तरह के कपडों के उत्पादन के बारे में मार्गदर्शन देना ।
12		समय समय पर बुनकरों , हथकरघा संचालन वाले सदस्यों का सम्मेलन बुलवाने की व्यवस्था करना ।
13		होजरी कताई एवं दरी उद्योग को प्रोत्साहित करना ।
14		हथकरघा उदयोग उससे संबंधित उ|ग या समकक्ष उ|ग के संबंध में पत्रिका पर्चे, मार्गदर्शिका ,किताबें आदि छपवाना । एकत्रित करना, वितरण करना एवं बेचना तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यम , कंप्यूटर आदि के माध्यम से प्रशिक्षण हेतु सामग्री का निर्माण कराना ।
15		अंश जारी करके तथा राज्य शासन, सहकारी बैंक अथवा पंजीयक की अनुमति से अन्य स्त्रोतों से म.प्र.राज्य पारस वि|ा हथकरघा समिति के लिये या अन्य समितियों के लिये ऋण या अनुदान प्राप्त करके रकम इकटठी करना ।
16		अन्य ऐसे सभी कार्य करना जो बुनाई उ|ग के विकास एवं बुनकरों को आर्थिक सामाजिक उन्नति के लिये प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आवश्यक हो तथा इन कार्यों के लिये चंदा प्राप्त करना एवं उसका उपयोग करना ।
17		माल लाने ले जाने तथा उपरोक्त उददश्यों के प्रचार एव पसार एवं पर्यवेक्षण के लिये मोटर गाडियों कारें एवं अन्य प्रकार के वाहन खरीदना या उनको किराये पर लेना एवं उनकी व्यवस्था करना।
18		समिति के संचालन, हथकरघा प्रशिक्षण सदस्यों की आवास व्यवस्था के लिये जमीन खरीदना या खरीदवाना अथवा दान के व्दारा या अन्य प्रकार से प्राप्त करना या करवाना ।

19		बुनकर सदस्यों के लिये आवश्यक सुविधा युक्त मकान बनाना या बनवाने की व्यवस्था करना ।
20		अन्य सहकारी संस्थाओं के अंश खरीदना अथवा अंश बेचकर रकम प्राप्त करना ।
21		पंजीयक के अनुमति से अन्य व्यापार करना ।
22		व्यापार चलाने हेतु भवन गोदाम शेडेड आदि का निर्माण स्वयं की निधि से या ॠण या अनुदान लेकर करना अथवा किराये पर लेना
23		हथकरघा वस्त्रों से निर्मित रेडीमेड वस्त्र तैयार करना अथवा करवाना तथा विक्रय की व्यवस्था करना
24		हथकरघा वस्त्रों को उत्प्रेक्षण आधार पर लेने तथा बेचने की व्यवस्था करना ।
25		अन्य ऐसे सभी कार्य करना जो कि उपरोक्त उददश्यों एवं म.प्र.राज्य पारस वि|ा हथकरघा समिति के विकास में बढावा देने के लिये संयोगिक रूप से आवश्यक हो ।
26		प्राचीन भारतीय संस्कृति अनुसार मानव श्रम, हस्तशिल्प को बढावा देने के लिये हथकरघा को प्रोत्साहित करना , प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता कराना , ग्रामीणों की आर्थिक आय बढाना ।
27		देश में मल्टीनेशनल कंपनियों के व्दारा उत्पादित वस्तुओं से भारत की प्राकृतिक संपदा का उपयोग नहीं हो रहा है । अतः प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग एवं प्रदेश की घरती पर उत्पादित कपास , सूत आदि के प्रयोग से वस्त्र आदि का निर्माण करना ।
28		हथकरघा से निर्मित कॉटन बेंडेज, गॉज पीस मरीजों के वस्त्र, चर्म रोग में उपयोग में आने वाले वस्त्र इत्यादि चीजों को निर्मित करना । विभिन्न चिकित्सालयों मे डॉक्टरों के एप्रेन, ऑपरेशन थियेटरों में उपयोग होने वाली बेंडेज, परदे, चादरें, रूमाल, तकिया कवर के साथ साथ जेलों के केदियों के वस्त्र वृध्दाश्रमो , अनाथालयों आदि के लिये वस्त्र आदि उत्पादित करना तथा चिकित्सालयों में प्रदाय करना । भंडारक्रय नियम में हथकरघा से उत्पादित वस्तुओ को शामिल कराकर शासकीय अशासकीय अर्धशासकीय चिकित्सालयों, कार्यालयों , सेवा संस्थानों, जेलो आदि में प्रदाय करना ।
29		भारत में आम जनता के मन में हजारों साल पहले की पुरानी पध्दति से निर्मित शुध्द हिसंक वस्त्रों के प्रति रूझान लाना इसके लिये जगह जगह प्रदर्शनी स्टाल लगाना नुक्कड नाटकों के माध्यम से आम जनता में भारतीय सभ्यता को प्रदर्शित करके दिखाना ।
30		महिलाओं को सुरक्षित घर बैठे रोजगार मिलनेका जरिया परिवार के साथ रहते हुए बचे हुए समय में से हथकरघे का काम करना कि भारत सरकार के कौशल उन्नयन योजनान्तर्गत ग्रामीण पुरूष एवं महिलाओं को कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण दिलाना तथा उनके लिये रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना । मशीनीकरण के स्थान पर गृह उदयोग , लघु

		उद्योग को विकास के अवसर प्रदाय करना व मानव श्रम को बढाना ।

31		पारस विद्या हथकरघा के माध्यम से हस्तशिल्प को प्रोत्साहन देना । हस्तशिल्प में सलग्न उद्यमियों, कलाकारों के सामान को क्रय करना, बनवाना, विक्रय की व्यवस्था करना, उनके उत्पादों को प्रदर्शनियों में उपयोग करना।

<u>4—अधिकृत अंशपूंजी—</u>

1.	**अ—**	म.प्र. राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति की अधिकृत अंशपूंजी, राज्य शासन के अंशदान को मिलाकर रूपये 100 प्रति अंश की दर से तीन लाख अंशों के लिये कुल रूपये 3.00 करोड की होगी ।
	ब—	इन उपविधियों में कहीं भी कुछ उल्लेख होते हुए मध्यप्रदेश शासन को उन शर्तों पर जो कि राज्य शासन ने मध्यप्रदेश राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के बीच इस संबंध में निश्चित की गई तो किसी भी सीमा तक अंश व लेने की पात्रता होगी ।

5—सदस्यता—

1		म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति की सदस्यता निम्नांकितों को प्राप्त हो सकेगी— 1.बुनकर एवं हथकरघा तथा हस्तशिल्प के सदस्यों 2.राज्य शासन 3.राज्य की सहकारी सूत मिलें, शासकीय व अशासकीय संगठनं 4.तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन यथा स्थिति रजिस्ट्रीकृत स्थापित या गठित कोई ऐसी फर्म, कंपनी या कोई अन्य निर्गमित निकाय जिसमें उसके भागीदारों या निर्देशकों के रूप में कोई अवयस्क व्यक्ति न हो,

6—नाम मात्र के सदस्य—

		1. समय—समय पर म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के संचालक मंडल व्दारा तय की गई शर्तों के अनुसार म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के उत्पादन केन्द्रों में काम करने वाले बुनकर एवं म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के व्यापार से संबंधित व्यक्तियों को नाम मात्र का सदस्य बनाया जा सकेगा । ऐसा सदस्य न तो म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति की प्रबंध व्यवस्था में भाग ले सकेगा और न ही समिति के मुनाफे का भाग प्राप्त कर सकेगा । इसी प्रकार म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के परिसमापन में लाई जाने की दशा में नाम मात्र का कोई सदस्य का कोई दायित्व नहीं होगा । साधारण सभा की सूचना नाममात्र के सदस्य को नहीं दी जावेगी । नाम मात्र के सदस्य को म.प्र.राज्य पारस विद्या हथकरघा समिति के

		सदस्यता समिति के प्रतिनिधि के रूप में भी साधारण सभा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा ।

7— सदस्यता पंजी—

समिति सदस्यों का एक रजिस्टर रखेगी जिसमें निम्नानुसार जानकारी रहेगी—

क		प्रत्येक सदस्य का नाम पता तथा उसकी उपजीविका
ख		प्रत्येक सदस्य व्दारा धारित अंश एवं राशि ।
ग		प्रत्येक सदस्य की समिति में सदस्य के रूप में प्रवेश तिथि
घ		यदि किसी सदस्य की सदस्यता समाप्त होती है तो वह तिथि ।
ड		ऐसी अन्य प्रविष्टियां जो विहित की जायें ।

नोट— समिति की सदस्यता पंजी सदस्य की प्रवेश तिथि तथा उसका पता एवं अंश के लिये प्रथमदृष्टया साक्ष्य होगी ।

क्र. 8—अंश आबंटन हस्तांतरण एवं विमोचन—

अ		समिति की सदस्यता प्राप्त करने एवं अंश आबंटन हेतु प्रार्थी को समिति व्दारा निर्धारित प्रपत्र में समिति को आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा । इस प्रकार प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार मंडल को होगा जिसके व्दारा सदस्यता तथा अंश आबंटन स्वीकार किया जावेगा ।
ब		समिति को अधिकार होगा कि वह शासन को अंश आबंटन करे जो कि राज्य शासन एवं समिति दोनों को स्वीकार हों ।
स		प्रत्येक सदस्य एक ही बार आबंटन किये गये समस्त अंशों के लिये एक अंश प्रमाणपत्र निशुल्क प्राप्त करने का अधिकारी होगा ऐंसे प्रत्येक अंश प्रमाणपत्र में प्रमाणपत्र का क्रमांक तथा अंशों की संख्या जिसके लिये प्रमाणपत्र दिया गया है तथा अंशों की पटी हुई राशि दर्शायी जावेगी ।
द		अंश प्रमाण पत्र संस्था के मुद्रांक से जारी किये जावेंगे तथा उन पर अध्यक्ष अथवा प्रबंध संचालक एवं सचिव के हस्ताक्षर होंगे ।
ई		यदि कोई अंश प्रमाण पत्र आप्रयोगिक या जीर्णशीर्ण हो गया हो अथवा भद्दा व नष्ट हो या खो गया हो अथवा उसके पृष्ठ पर हस्तांतरण हेतु पृष्ठांकन के लिये स्थान न रह गया हो तो मडल व्दारा समय समय पर निर्धारित किये गये शुल्क के भुगतान करने पर उसका नवीनीकरण किया जा सकेगा किन्तु ऐसे प्रमाणपत्र तब तक जारी किये जा सकेंगे जब तक कि मूल जीर्ण या भददे प्रमाणपत्र रदद करने हेतु प्रस्तुत नहीं किये जाते अथवा नष्ट होने या खो जाने का संतोषप्रद प्रमाण संस्था को नहीं दिया जाता और प्रमाण पत्र के खो जाने की स्थिति में जैसा कि संस्था उचित

		समझे क्षतिपूर्ति बंधक पत्रक नहीं दिया जाता । इस प्रकार से दिये गये सभी प्रमाणपत्र नवीनीकरण अंकित कर प्रदान किये जावेंगे ।

क. 9–

1		प्रत्येक सदस्य को प्रवेश प्राप्त करने हेतु समिति का नियमानुसार न्यूनतम एक अंश क्रय करना होगा तथा रू. 100.00 प्रवेश शुल्क देना होगा ।
अ		उपविधि कमांक 4 अ में वर्णित समितियों को सदस्यता के लिये न्यूनतम एक अंश क्रय करना आवश्यक होगा ।

क. 10–

1		किसी भी सदस्य की सदस्यता मंडल व्दारा इस हेतु आमंत्रित बैठक में उपस्थित सदस्य क 3/4 बहुमत से पारित प्रस्ताव व्दारा समाप्त की जा सकेगी यदि उसके व्दारा अंश राशि का भुगतान न किया गया हो या इच्छापूर्वक किसी भी उपनियम का उल्लंघन किया गया हो या इच्छा पूर्वक किसी भी उपनियम का उल्लंघन किया गया हो या इच्छापूर्वक ऐसा कोई भी कार्य किया हो जिसे की समिति की साख का आघात पहुंचा हो या पहुच सकता हो या उनकी आर्थिक स्थिति संकट में आ सकती हो परन्तु ऐसा संकल्प वैध नहीं होगा यदि सदस्य को उसकी सदस्यता समाप्त किये जाने संबंधी प्रस्ताव की सूचना या तो व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड पोस्ट व्दारा सात दिवस पूर्व न दी गई हो तथा उसे मंडल के समक्ष अपने मामले को रखने का अवसर न दिया गया हो इस प्रकार से सदस्यता समाप्त होन पर सदस्य व्दारा समिति से लिये गये ऋण अथवा अन्य रकमेंजोकि उसे चुकाना शेष हों सदस्य व्दारा प्रदत्त राशि में से काटकर शेष राशि वापस की जावेगी ।

क. 11–

सदस्यता निम्न स्थिति में समाप्त हो जावेगी ।

1		सदस्य के स्वयं सदस्यता से त्यागपत्र देने पर सदस्य को संस्था व्दारा निष्कासित किये जाने पर ।
2.		समिति की उपविधि के अनुसार सदस्यता के लिये निर्धारित न्यूनतम एक अंश धारण न करने पर

क. 12–

		उपनियम कमांक 7 एवं 8 में वर्णित स्थितियों के सिवाय कोई भी सदस्य मंडल की पूर्व स्वीकृति बिना किसी भी समय कोई भी अंश वापस नहीं

		सकेगा । बशर्ते कि ऐसी वापसी की कुल राशि की प्रदत्त अंशपूंजी के 10 प्रतिशत से अधिक न होगी ।

क. 13–

		सदस्य संस्था के परिसमापन पर उनके अंश या अंशों की राशि समिति से लिये गये ऋण अंश अन्य राशिजो सदस्य संस्था से प्राप्त हो काटकर उसके परिसमापक को (लिक्विडेटर) लौटा दी जावेगी ।

क. 14–

		सदस्यों व्दारा कोई भी अंश मंडल की स्वीकृति के बना तथा मंडल व्दारा समय समय पर निश्चित किये गये हस्तांतरण शुल्क पटाये बना हस्तांतरित नहीं किया जा सकेगा ।

क. 15–

1		बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अंश के हस्तांतरण की स्वीकृति प्रदान न करने का पूर्ण अधिकार मंडल को होगा ।

क. 16–

		va'kksa ds gLrkja.k gsrq vkosnu lfefr }kjk fu/kkZfjr izi= esa fd;k tkosxk ftlds lkFk gLrkarj.k fd;s tkus okys va'kksa ds izek.k i= rFkk gLrkarj.k laca/kh vko';d lk{; Hkh izLrqr fd;k tkosxkA

क. 17–

		lnL;ksa }kjk lfefr dks ns; _.k rFkk vU; ns; jkf'k;ksa ds fy, lfefr dk xzg.kkf/kdkj] lnL;ksa ds va'kksa ;k iwath esa tks fgLlk gks ml ij rFkk vekurksa ykHkka'k] cksul] jhcsV] deh'ku ;k ykHk tks lnL;ksa dks lfefr }kjk ns; gks ml ij jgsxk vkSj lfefr }kjk ,sls ns; dh jkf'k dks lnL;ksa ls izkIr _.k rFkk vU; izkIr jkf'k;ksa dh olwyh esa fy;k tk ldsxkA

क. 18– दायित्व–

		lnL;ksa dk nkf;Ro muds }kjk क्रय fd;s x;s va'k vFkok va'kksa ds vafdr ewY; rd gh lhfer gksxkA

क. 19–पूंजी–

समिति के व्यवसाय के लिये पूंजी निम्नानुसार एकत्र की जावेगी–

1		lkekU; va'kks ds fodz; }kjkA
2		izos'k 'kqYd }kjkA
3		lgdkjh cSadksa] jkT; ljdkj fjtZo cSd vkQW bfM;k] jkT; esa dk;Z dj jgh fdlh fof/k ds v/khu cSad foRrh; fudk;ksa] fuxfer fudk;ksa vkSj O;fDr;ksa ls izfrHkwfr ij ;k fu{ksi izkIr dj ;k vU; izdkj ls _.k izkIr djukA blds vfrfjDr ukeek= ds lnL;ksa ls fof'k"V ifj;kstuk gsrq vuqeksfnr ifj;kstuk ds v/khu va'kiwath ds :i esa fuf/k ,d= dh tk ldsxhA
4		foRrh; laLFkk ls fof'k"V djkj ,oa vuqeksfnr ifj;kstuk ds v/khu va'kiwath ds :i esa fuf/k ,d= djA
5		iath;d }kjk Lohd`r 'krksZ ij lnL;ksa ls vekursa izkIr djA
6		jkT; 'kklu ,oa vU; i{kksa ls iath;d dh iwoZ Lohd`fr ls vkfFkZd lgk;rk vuqnku ,oa nku izkIr djA

<u>क. 20–अधिकतम ऋण सीमा–</u>

		lfefr vius O;kikj ds fy;s fofHkUu lgdkjh cSadksa @ jk"Vzh;d`r cSadksa ls _.k izkIr dj ldsxh A vkelHkk }kjk fu/kkZfjr _.k lhek ds vanj lfefr dks O;olk; ds fy, Lo;a dh iwath ds 25 xquk ls vf/kd ugha gksxhA

<u>क. 21–आमसभाः–</u>

संस्था व्दारा पूंजी एवं निधियां निम्नानुसार ली जाएंगी –

1		bu mifu;eksa esa fd;s x;s izko/kkuksa dks NksM+dj

		lfefr ds dk;ksZ ls laacaf/kr vU; leLr ekeyksa esa vafre fu.kZ; ysus dk vf/kdkj lnL;ksa ds vke lHkk dks gksxkA eaMy }kjk foRrh; o"kZ lekfIr ls 6 N% ekg dh vof/k esa¼1 vizSy ls 30 flracj½ cqyk;k tkosxkA ;g lEesyu okf"kZd vke lHkk dgyk;sxkA v/;{k ds ijke'kZ ij ;k eaMy }kjk vU; fdlh Hkh volj ij vkelHkk cqyk;k tk ldsxkA
2		iath;d ls ;k laiw.kZ lk/kkj.k lnL;ksa ds 1@10 ls fyf[kr ekax izkIr gksus ds ,d ekg ds vanj eaMy }kjk fo'ks"k vke lHkk cqyk;k tkosxkA ,slh lHkk fo'ks"k vke lHkk dgyk;sxhA

3		;fn mDr midafMdk&2 esa mYysf[kr fo'ks"k vke lHkk ugh cqyk;h x;h rks iath;d dks vFkok muds }kjk vf/kd`r O;fDr dks ,slk vke lHkk cqykus dk vf/kdkj gksxk rFkk muds }kjk cqyk;k x;k lEesyu eaMy }kjk vkeaf=r le>k tkosxkA
4		fo'ks"k vkelHkk esa mu leLr fo"k;ksa ij fopkj fd;k tk ldsxk tks fd mifu;eksa ds vuqlkj vke lHkk }kjk fd;k tk ldrk gS Hkys gh ,sls fo"k; ;k fo"k;ksa ij iwoZ esa fdlh Hkh lEesyu ;k lEesyuksa }kjk fopkj fd;k x;k gks ;k fu.kZ; fy;k x;k gSA
5		lEesyu dh frfFk ls de ls de 14 fnu iwoZ leLr lk/kkj.k lnL;ksa rFkk iath;d dks fyf[kr lwpuk nh tkosxhA lwpuk i= esa frfFk] LFkku] le; ,oa vkelHkk esa fopkj.kh; fo"k;ksa dk mYys[k gksxkA vkelHkk dk lwpuk i= lnL;ksa dks lk/kkj.k Mkd@jftLVMZ Mkd@O;fDrxr lwpuk }kjk Hkstk tkosxk rFkk lfefr ds dk;Z{ks= esa izlkfjr fgUnh nSfud lekpkj i= esa vkelwpuk izdkf'kr djok dj nh tkosxhA mijksDrkuqlkj ;fn lwpuk i= tkjh dj fn;k x;k gS vkSj fdUgh dkj.kksa ls lnL; mls voxr ugh gq, gS rks ;g ugh ekuk tkosxk fd lwpuk i= dh rkehyh vfu;fer gSA vr% lk/kkj.k lHkk dh dk;Zokgh voS/k ugh ekuh tkosxhA
6		vke lHkk dh dk;Zokgh ds fy, vkelHkk dh lwpuk dh

		rkjh[k dks lnL;ksa dh x.kiwrhZ¼dksje½ ds fy, vko';d gksxhA
7		izR;sd lnL; laLFkk dk lapkyd eaMy lnL;rk xzg.k djus ds volj ij rFkk mlds i'pkr lfefr ds vke lHkk esa lnL; laLFkk dh vksj ls izfrfuf/kRo djus gsrq vius lnL;ksa esa fdlh ,d O;fDr dks viuh cSBd esa fuokZfpr dj lfefr dks lwfpr djsxk vkSj ,slk izfrfuf/k laLFkk dk izfrfuf/kRo lfefr ds vkxkeh pquko rd djrk jgsxkA

क्र. 22—

		;fn vke lHkk ds fy, fu/kkZfjr le; ls vk/ks ?k.Vs rd x.kiwfrZ ¼dksje½ u gks vkSj bl laca/k esa lwpuk i= esa vU; fdlh izdkj dk mYys[k u gks rks lHkk ds v/;{k lHkk dks ,slh frfFk] le; vkSj LFkku ds fy, LFkfxr dj ldrs gS tks os mI le; ?kksf"kr djsaA ysfdu bl LFkfxr cSBd ds fy, dksje vko';d ugh gksxkA fdUrq lnL;ksa dh ekax ij cqyk;k x;k vke lHkk LFkfxr u gksdj lekIr dj fn;k tkosxkA

क्र. 23—

		vke lHkk esa vf/kfu;e fu;e ;k lkslk;Vh dh mifof/k;ksa esa vU;Fkk visf{kr fd;s x;s ds flok; ;k tc rd lHkk esa mifLFkfr de ls de 10 lnL;ksa }kjk ernku dh ekax u dh xbZ gks ernku] mifLFkfr lnL;ksa }kjk gkFk mBkdj O;Dr fd;s x;s erksa ds cgqer ls fy;k tkosxkA pkgs gkFk vFkok ernku esa erksa dh lekurk dh fLFkfr esa lHkk ds v/;{k dks vius lkekU; er tks fd mUgs lnL; dh gSfl;r ls izkIr gS ds vfrfjDr ,d fu.kkZ;d er nsus dk vf/kdkj gksxkA

क. 24–

अ		izR;sd lk/kkj.k lnL; dks dsoy ,d er nsus dk vf/kdkj gksxk pkgs mlds }kjk lfefr ds fdrus Hkh va'k dz; fd;s x;s gksA
ब		izR;sd insu lnL; dks vFkok muds ukekafdr O;fDr dks dsoy ,d er nsus dk vf/kdkj gksxkA ijUrq lfefr ds lapkyd eaMy ds inkf/kdkfj;ksa ds fdlh fuokZpu rFkk lg;kstu dh dk;Zokgh esa er nsus ds gdnkj ugh gksxsA

क. 25–

1		lfefr ds vke lHkk dk lHkkifrRo lfefr ds v/;{k djsxsA v/;{k dh vuqifLFkfr esa mik/;{k lHkkifrRo djsxsaA v/;{k@mik/;{k dh vuqifLFkfr esa mifLFkfr lnL;ksa }kjk lHkk ds fy, v/;{k dk pquko fd;k tkosxk] ijUrq vf/kfu;e dh /kkjk 53 ds varxZr lapkyd e.My dks vf/kdzfer fd, tkus dh n'kk esa iath;d }kjk vf/kd`r O;fDr vkelHkk dh v/;{krk djsxkA

क. 26–

अ		lHkk esas dsoy pquko dks NksM+ vU; fo"k;ksa esa fd;s x;s ernku ds izR;sd er dh oS/krk ds ,d ek= fu.kkZ;d lHkk ds v/;{k gksxsA
ब		lfefr ds vke lHkk dh cSBd lkekU;r% lfefr ds eq[;ky; ij gksxhA

क. 27–

vke lHkk के कर्तव्य निम्नानुसार होंगे–

1		vf/kfu;e ds vUrZxr cuk;s fu;eksa esa fu/kkZfjr jhfr ds vuqlkj lapkyd eaMy ds lnL;ksa dk fuokZpu djukA
2		vadsf{kr ykHk&gkfu ys[ks fLFkfr fooj.k @vads{k.k izfrosnu rFkk okf"kZd izfrosnu ikfjr djukA
3		vf/kfu;e] fu;e rFkk mifu;eksa ds izko/kkuksa ds vuqlkj 'kq) ykHk dk fofu;kstu rFkk forj.k djukA
4		iath;d }kjk vf/kfu;e ds vUrZxr fuf'pr dh xbZ lhek ds vUnj orZeku rFkk uohu fy;s x;s _.kksa rFkk vekurksa dks lfEefyr dj] lfefr }kjk _.k rFkk vekur izkIr djus dh vf/kdre lhek fu/kkZj.k djukA
5		okf"kZd ctV i=d Lohdkj djukA
6		vkxkeh o"kZ ds fy, laLFkk ds dk;Zdzeksa ij fopkj djuk ,oa Lohd`fr iznku djukA
7		fdlh Hkh fo|eku mifu;e rFkk mifu;eksa dks la'kksf/kr djuk ;k fujLr djuk vFkok u;s mifu;eksa dks cukuk A
8		ys[kkvksa dh laijh{kk djus ds fy, laijh{kd dh fu;qfDr djukA
9		foRrh; o"kZ esa dk;Z lapkyu ds dkj.k gq, ?kkVs ds dkj.kksa dk ijh{k.k djukA
10		vke lHkk ds v/;{k dh vuqefr ls vU; fdlh fo"k;ksa ij fopkj djuk rFkk fu.kZ; ysukA

क. 28–अ– lnL; laLFkkvksa dh izca/ku esa lgHkkfxrk%&

1		izR;sd lnL; laLFkk dks izR;sd o"kZ lfefr dh vkelHkk esa mifLFkr gksuk vfuok;Z gksxkA fdlh lnL; laLFkk }kjk yxkrkj 03 o"kksZ rd lfefr dh vkelHkk esa Hkkx ysus ls pwd djus ij lapkyd e.M }kjk mls :i;s 500@& ds vFkZn.M ls nf.Mr fd;k tk ldsxkA lnL; laLFkk }kjk vFkZn.M ds Hkqxrku ls pwd djus ;k iqu% vke lHkk esa Hkkx ysus ls pwd djus ij lapkyd e.My }kjk ,slh lnL; laLFkk dh lnL;rk lekfIr ds laca/k esa fu.kZ; fy;k tk ldsxkA mijksDr n.M@vkns'k tkjh djus ds iwoZ lapkyd e.My }kjk lnL; laLFkk dks fu;ekuqlkj lquokbZ dk volj fn;k tkosxkA
2		izR;sd lnL; laLFkk dks lfefr }kjk iznk; dh tkus okyh

		lsokvkas dk vfuok;Zr% mi;ksx djuk gksxkA lnL; laLFkk }kjk yxkrkj 03 o"kksZ rd lfefr }kjk iznRr lsokvksa dk mi;ksx u djus ij lapkyd e.My }kjk lnL;r laLFkk dks lquokbZ dk volj nsus ds mijkar lfefr dh lnL;rk ls i`Fkd fd;k tk ldsxkA

क. 29–

		vke lHkk dh dk;Zokfg;ka rFkk fu.kZ; ,d dk;Zokgh iqLrd esa fy[ksa tkosxs vkSj lEesyu ds v/;{k }kjk ml ij gLrk{kj fd;s tkosxsA ;g dk;Zokgh fooj.k 30 fnuksa ds Hkhrj lnL;ksa dks fof/kor iszf"kr fd;k tkosxkA

क. 30–

		lnL;ksa dks lwpuk i= ¼uksfVl ,oa lans'k Hkstus dh jhfr½ vf/kfu;e ,oa fu;e rFkk mifu;eksa esa fd;s x;s fo'ks"k izko/kkuksa dks NksMdj vU; leLr lwpuk i= vkSj lans'k lnL;ksa dks muds irs ij tks lfefr ds ikl gksa] lk/kkj.k Mkd ls Hksts tkosaxs ;k mUgsa vHkh Lohd`fr izkIr dj lkSi fn, tkosaxsA Mkd }kjk Hksts x, lwpuk i= rFkk lans'k dk izek.k lwpuk rFkk lans'k fn, tkus dk i;kZIr izek.k ekuk tkosxkA

क. 31–संचालक मंडल का गठनः–

bu mi fu;eksa esa fdlh ckr ds jgrs gq, Hkh lfefr dk izFke lapkyd eaMy izFker% ,d o"kZ ds fy;s iath;d lgdkjh laLFkk,sa e/;izns'k }kjk euksuhr fd;k tk;sxkA iath;d ukekafdr lapkyd eaMy dh vof/k ,d&,d o"kZ ds fy;s vkSj c<+k ldsxs fdUrq izfrca/k ;g gS fd ,sls ukekadu dh dqy vof/k ikap ¼05½ o"kZ ls vf/kd ugh gksxhA mDr vof/k dh lekfIr ds i'pkr lapkyd eaMy dk fuokZpu djk;k tk ldsxkA ,sls fuokZpu gsrq lapkyd eaMy dk xBu fuEukuqlkj gksxk%&

1		laLFkk ds lapkyd eaMy dk xBu laLFkk ds 11 fuokZfpr lapkydksa ds Onkjk fd;k tkosxk ftlesa 1 v/;{k

		rFkk 2 mik/;{k jgsaxs A

<u>पदेन संचालक</u>

1		iath;d lgdkjh laLFkk,a e/;izns'k ;k mud Onkjk ukekafdr O;fDr tks mi iath;d Lrj ls de dk u gks & 1
2		vk;qDr gFkdj?kk dk izfrfuf/k ;k ukekafdr O;fDr tks mi lapkyd Lrj ls fuEu u gks A
3		laLFkk dk izca/k lapkyd Hkh lnL; lfpo ,oa insu lapkyd gksxk A
4		

नोट–1		
2	संचालक की अयोग्यता–	eaMy ls fdlh Hkh lapkyd dh lnL;rk vius vki fjDr gks tkosxh ;fn%&
	1	ml lnL; dh laLFkk dh lnL;rk ftldk fd og izfrfuf/k gS] lnL;rk lekIr gks tkrh gSA
	2	mldh lnL;rk ml lnL; laLFkk ls ftldk fd og izfrfuf/k gS lekIr gks xbZ gksA
	3	mlus fyf[kr lwpuk nsdj lapkyd dk in R;kx dj fn;k gksA
	4	mls vf/kfu;e rFkk fu;e ds vuqlkj dksbZ Hkh ;ksX;rk izkIr u gksA
	5	eaMy dh vuqefr ds fcuk og eaMy dh yxkrkj rhu cSBdksa esa vuqifLFkr jgk gks vkSj mldh ,slh vuqifLFkfr eaMy }kjk ekQ u dj nh xbZ gksaA
	6	;fn og ,slk O;fDr gS ftls fdlh lgdkjh laLFkk dh lsok ;k ljdkjh lsok ls gVk fn;k x;k gS A
	7	;fn og lnL; laLFkk ftldk fd og izfrfuf/k gS] us foxr 03 o"kZ ls lfefr dh lsokvksa dk mi;ksx ugha fd;k x;k gks vFkok lfefr dks lsok,sa ugha nh xbZ gksaA
	8	eaMy ds insu lnL; dks fdlh Hkh le; muds }kjk ukekafdr O;fDr dk ukekadu jn~n djus rFkk muds LFkku ij vU; O;fDr dk ukekdau djus dk vf/kdkj gksxkA

<u>पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि का निर्वाचन–</u>

<u>क. 32–</u>

1		eaMy ds lnL;ksa es ls fuokZpu lapkyd eaMy }kjk fuokZfpr ,oa lg;ksftr lapkydksa dh izFke cSBd esa v/;{k@ nks mik/;{k ,oa lfefr dh vksj ls vU; laL;kvksa ¼ftuds va’k lfefr us dz; fd;s gS½ esa izfrfuf/kRo djus ds fy, izfrfuf/k;ksa dk fuokZpu] fuokZpu vf/kdkjh }kjk djk;k tkosxk rFkk bl cSBd dh v/;{krk fuokZpu vf/kdkjh }kjk dh tkosxhA

<u>क. 33–</u>

		øvÀ fuokZpu }kjk mifof/k ds vuqlkj fu/kkZfjr LFkku ugha Hkjs tkus dh fLFkfr eas] fuokZpu izfdz;k ds varxZr lg;kstu ds fy, fu/kkZfjr frfFk dks gh fuokZfpr lapkydksa }kjk fjDr LFkkuksa dh iwfrZ mUgha oxZ ds lnL;ksa ls lg;kstu }kjk dh tk ldsxh] ftl oxZ ds lnL; dk LFkku fjDr jg x;k gksA x.kiwfrZ ds vHkko esa lg;kstu ugha fd;k tkosxk] ijUrq ;g vkSj Hkh fd ;fn mifof/k;ksa esa lapkyd eaMy dh cSBd ds fy, fu/kkZfjr dksje ls de la[;k esa lnL; fuokZfpr gksrs gS rks ,slh n’kk esa lg;kstu ugha gksxk] vfirq 'ks"k inks ads fy, fuokZpu dh izfdz;k iqu% izkjaHk dh tkosxhA

		øvkÀ;fn fdlh le; eaMy esa fdlh lapkyd dk in R;kx i= nsus] nsgkolku gks tkus ;k vU;Fkk fjDr gks tkrk gS] rks lapkyd e.My] ,slh fjfDr;ksa dks] ;fn lapkyd e.My dh vof/k ml rkjh[k dks] ftldks fd ,slh fjfDr gqbZ gS 02 o"kZ ;k mlls de gS rks mlh oxZ ds lnL;ksa ds lg;kstu }kjk Hkj ldsxk] ijUrq ;fn lapkyd e.My ds lnL;ksa dh 'ks"k vof/k 02 o"kZ ls vf/kd gS vkSj tgka fuokZpu ds i'pkr~ LFkku fjDr jg tkrk gS ;k dksbZ vkdfLed fjfDr gks tkrh gS] rks fjfDr lnL;ksa ds] mlh oxZ ls] ftlls dh laca/k esa fjfDr mn~Hkwr gqbZ gS fuokZpu }kjk Hkjh tk;sxhA

<u>क. 34–</u>

		øvÀ lfefr ds lapkyd eaMy dk dk;Zdky ml rkjh[k ls ftlesa fd v/;{k ,oa izfrfuf/k;ksa dk fuokZpu djus ds fy, lapkyd eaMy dh izFke cSBd vk;ksftr dh xbZ gS ls **ikWap** o"kZ gksxkA
		øvkÀ;fn lfefr dk lapkyd eaMy fo/kku ds rgr vf/kdzfer fd;k x;k gks] fuyafcr fd;k x;k gks ;k gVk;k x;k gks vkSj rRi'pkr fdlh U;k;ky; ;k vU; vkns'k ls iqu% lapkyd eaMy ink:<+ gksrk gS rks ftruh vof/k ds fy, eaMy vf/kdzfer jgk ;k gVk;k x;k og le; mi/kkjk øvÀ esa of.kZr dk;Zdky esa ugh ekuk tkosxkA
		øbÀ lfefr dh cfgxkZeh lfefr ds fy;s ck/;dj gksxk fd og fofufnZ"V dk;Zdky ds volku gksus ds iwoZ fuokZpu djk;sA ofgxkZeh lfefr dk;Zdky lekIr gksus ds de ls de 120 fnu iwoZ jkT; lgdkjh fuokZpu izkf/kdkjh ls fuokZpu djkus gsrq vkosnu djsxhA

<u>**क. 35–**</u>

		lapkyd eaMy dh cSBd o"kZ esa de ls de pkj ckj] ;k tc Hkh vko';d gks vk;ksftr dh tkosxhA fdUrq lkekU;r% ,d cSBd ls nwljh cSBd esa 3 ekg ls vf/kd dk vUrj ugha gksxkA cSBd ds fy, lwpuk izR;sd lapkyd dks de ls de 10 fnu iwoZ nh tkosxh] ftlesa frfFk] le;] LFkku vkSj fopkj.kh; fo"k;ksa dk mYys[k gksxkA eaMy dh cSBd dh lwpuk i= lapkydksa dks O;fDr'k% rkfeyh }kjk ;k iathd`r Mkd ls Hkstk tkosxkA

<u>**क. 36– संचालक मंडल की बैठकों का आयोजन–**</u>

		lapkyd eaMy dh cSBdsa v/;{k dh lgefr vuqlkj izca/k lapkyd }kjk cqykbZ tkosxhA

<u>**क. 37–**</u>

		esa mudh lnL; la[;k ds vk/ks ls vf/kd lapkydksa dh

		mifLFkfr x.kiwfrZ ds fy, vko’;d gksxhA

क. 38–

		;fn eaMy dh cSBd ds fy, fu/kkZfjr le; ij x.kiwfrZ u gks rks cSBd ml le; frfFk vkSj LFkku ds fy, LFkfxr gks tkosxh tSlk fd lwpuk i= esa fn;k x;k gksA ;fn lwpuk i= eas ,slh frfFk] le; vkSj LFkku dk mYys[k u fd;k x;k gks] rks cSBd ds v/;{k }kjk mifLFkr lapkydksa dh lgefr ls fdlh vU; frfFk] le; o LFkku ds fy, cSBd LFkfxr dh tk ldsxh] bl rjg LFkfxr dh xbZ cSBd ds fy, leLr dks lkr fnu dh lwpuk nh tkosxhA LFkfxr cSBd ds fy, x.kiwfrZ dh vko’;drk gksxhA LFkfxr cSBd esa iwoZ fuf’pr fo"k;ksa dks NksM+ vU; fo"k; ij fopkj ugha fd;k tk ldsxkA

क. 39–

		lapkyd eaMy dh leLr cSBdksa dh v/;{krk lfefr ds v/;{k djsxsA lfefr ds v/;{k dh vuqifLFkfr esa lfefr ds mik/;{kksa esa ls ftls lapkyd vf/kd`r djs og vFkok mik/;{k dh vuqifLFkr lapkydksa }kjk vius es ls fdlh ,d lapkyd dks ml cSBd dh v/;{krk ds fy, v/;{k pquk tkosxkA

क. 40–

		eaMy dh cSBd esa izLrqr leLr fo"k;ksa ij fu.kZ; dsoy mu fo"k;ksa dks NksM+ ftuds fu.kZ; ds fy, vf/kfu;e] vf/kfu;e ds vUrZxr fu;e ,oa mifu;eksa esa vU; Hkkafr izko/kku gks] gkFk mBkdj O;Dr fd;s x;s erksa ds cgqer ls fd;k tkosxkA erksa dh lekurk dh fLFkfr esa cSBd ds v/;{k dks muds lk/kkj.k er ds vfrfjDr ,d fu.kZ;k;d er nsus dk vf/kdkj gksxkA

क. 41–

		eaMy dh cSBd esa fd;s x;s ernku ds izR;sd er dh oS/krk ds ,d ek= fu.kkZ;d cSBd ds v/;{k gksxsaA

क. 42–

		fdlh Hkh lapkyd dh fu;qfDr ;k pquko laca/kh =`fV ;k vU; izdkj dh v;ksX;rk ckn es Kkr gksus ds ckotwn Hkh eaMy dh cSBd dh lHkh dk;Zokfg;ka rFkk fu.kZ; mlh izdkj ls oS| gksus fd izR;sd lapkyd dh fu;qfDr ,oa pquko ;k lapkyd gksus dh iw.kZ ;ksX;rk j[kus ij gksxhA

संचालक मंडल के अधिकार एवं कर्तव्य–

क. 43– संचालक मंडल के अधिकार व कर्तव्य निम्नानुसार हैं–

1		lfefr dk vkxkeh o"kZ dk dk;Zdze] okf"kZd foRrh; fooj.k] ;kstuk ,oa ctV lk/kkj.k lEesyu esa izLrqr djukA
2		lfefr esa fof'k"V dk;Z ds fy, milfefr xfBr djukA bl milfefr esa lfefr ds v/;{k dks feykdj dqy 5 lapkyd gks ldsxsaA bl milfefr dks mls lkSis x;s dk;Z dks vko';drk :i ls fu/kkZfjr vof/k esa iw.kZ djuk gksxkA
3		deZpkfj;ksa dh HkrhZ] osru] inksUufr] n.M] vodk'k] izkfoMsaV QaM] minku ¼xzsP;wVh½] izokl HkRrk ;k muds dk;ksZ ls lacf/kr vU; fo"k;ksa ds fy, fu;e cukuk] ijUrq ,sls fu;eksa ds fy, iath;d dk vuqeksnu vko';d gksxkA
4		va'k okfil djus ds fy, Lohd`fr iznku djukA
5		izos'k 'kqYd vkSj va'k izek.k i=ksa ds uohuhdj.k ,oa gLrkrja.k ds fy, 'kqYd fu/kkZj.k djukA
6		vkelHkk ds vuqeksnu gsrq okf"kZd vk;&O;; vuqeku i=d ij fopkj djukA
7		lfefr ds laijh{kk ,oa vuqikyu izfrosnuksa ij fopkj djuk vkSj lk/kkj.k fudk; ds le{k izLrqr djukA
8		vkelHkk rFkk iath;d }kjk fu/kkZj.k dh xbZ vf/kdre _.k lhek ds vanj _.k rFkk vekursa izkIr djus dh eatwjh

		nsukA
9		'kklu ls vFkZ lgk;rk] vuqnku ,oa nku Lohd`r djukA

10		iath;d dh iwoZ Lohd`fr ls fdlh Hkh py ;k vpy lEifRr ds ftlesa va'k izfrHkwfr;ka ¼flD;wfjVh½ ds vf/kdkj izi= Hkh lfEefyr gS vkSj tks lfefr ds v/khuLFk vFkok vf/kdkj esa gS] mls lfefr ds O;olk; ds fy;s fcdzh djus] ca/kd j[kus] iVV~s ij nsuk] fofu;e djus] fdjk;s ij nsus ;k HkkVd dz; fof/k ls i`"Bkadu }kjk rkj.k j[kdj vFkok vU; fdlh izdkj ls gLrkarj.k nsus dh eatwjh nsukA
11		lfefr dh va'kiwath bafM;u VªLV ,DV 1882 dh /kkjk 20 esa mYysf[kr dh xbZ fdUgh Hkh izfrHkwfr;ksa esa] lfefrh; laLFkk ds ¼ftldk lfefr lnL; gS½ va'k dz; djus esa fdlh lfefr nkf;Ro okyh laLFkk ds va'k _.k i= ;k izfrHkwfr dz; djuss esa vFkok lgdkjh vf/kfu;e ;k vf/kfu;e ds vUrZxr fu;eksa ds vuqlkj jkT; 'kklu ds lkekU; ;k fo'ks"k vkns'kkuqlkj vU; izdkj ls fofu;ksftr djus dh Lohd`fr nsukA
12		vadsf{kr ykHk&gkfu ys[kk] fLFkfr fooj.k] vads{k.k izfrosnu ,oa okf"kZd izfrosnuksa ij fopkj djuk vkSj mUgas vkelHkk esa izLrqr djuk vkSj vkelHkk dks 'kq) ykHk dk fofu;ksx djus] ykHkka'k dh nj vogkj ¼jhcsV½ vfrfjDr deh'ku] deZpkfj;ksa ds cksul ds laca/k esa flQkfj'k djukA
13		lfefr ds O;olk;ksa dh leh{kk djuk rFkk le;≤ ij lfefr dh O;kolkf;d uhfr;ksa dh :ijs[kk rS;kj djukA
14		lfefr ds O;olk; ds fy;s le;≤ ij fu;e vkSj lgk;d fu;e cukukA
15		fdlh lnL; laLFkk dh lnL;rk lekIr djukA
16		py ;k vpy laifRr dz; djus ;k izkIr djus dh Lohd`fr nsuk rFkk lacf/kr nLrkostksa ,oa dkxtkrksa ij lfefr dh vksj ls gLrk{kj djus gsrq fdUgha O;fDr;ksa dks vf/kdkj

		nsuk] fdUrq py@vpy laifRr dh [kjhnh ;k izkfIr iath;d dh iwoZ Lohd`fr ls dh tkosxhA
17		fdlh py@vpy lEifRr ds fuoZru dh Lohd`fr nsuk rFkk lacaf/kr fdlh O;fDr ;k O;fDr;ksa dks vf/kdkjh nsuk fdUrq py@vpy laifRr dk fuoZru iath;d dh iwoZ Lohd`fr ls fd;k tkosxkA
18		mYysf[kr mn~ns';ksa dh iwfrZ ds fy, fu;e cukuk rFkk mlds ikyu esa gksus okyh vko';d jkf'k Lohd`r djukA
19		mYysf[kr mn~ns';ksa ds vuqlkj dk;Z djus rFkk mlds fy, vko';d jkf'k dh Lohd`fr nsukA
20		laLFkk dh vksj ls fd;s bdjkjukesa] Hkkxhnkjh ,oa lgHkkxhnkjh fu"iknu djus ds fy, Lohd`fr nsukA
21		lnL; ,oa lnL; laLFkk dks cksul iznk; djus gsrq 'krksZ dh Lohd`fr nsukA

22		lnL; laLFkk dks fn; x;s _.k ;k lk[k dks izR;kHkwfr djus dh e;kZnk ,oa 'krsZ fuf'pr djukA
23		fdlh lgdkjh laLFkk dks izca/k ysus gsrq Lohd`fr nsukA
24		vU; izdkj ds O;olk; ysus dh Lohd`fr nsukA
25		bu mifu;eksa ds vuqlkj lfefr dk vkelHkk cqykukA
26		le;≤ ij vius vf/kdkj ,oa drZO;ksa dks lapkyd eaMy ds v/;/khu jgras gq, dk;Zdkj.kh lfefr vFkok v/;{k] mik/;{k] izca/k lapkyd vFkok vU; fdlh milfefr dks lkSiukA
27		lfefr dh vksj ls lfefr ds fo:) dksbZ Hkh _.k nkok fookn ;k lfefr ds vf/kdkfj;ksa ds fo:) laLFkk ds O;olk; ls lacaf/kr dkuwuh dk;Zokfg;ksa dk vkilh le>kSrk djuk] ifjR;kx djuk ;k e/;LFk fu.kZ; ¼vkjch&Vªs'ku½ ds lqiqnZ djukA
28		lk/kkj.k lfefr O;olk; ls lacf/kr fo"k;ksa esa izca/k lapkyd ;k vU; fdlh lfefr dks funsZ'k nsukA
29		cSBd d v/;{k dh vuqefr ls vU; fo"k;ksa ij fopkj djukA
30		O;olk; lapkyu ,oa iz'kklu gsrq v/;{k dks vf/kdkj nsuk

		ftlds rgr muds }kjk fd;s x;s dk;kasZ dh iqf"V mUgs lapkyd eaMy dh vkxkeh cSBd esa djuh gksxhA
31		lfefr ds v/;{k ,oa vU; inkf/kdkfj;ksa dk fuokZpu djukA
32		lfefr ds v/;{k ,oa vU; inkf/kdkfj;ksa dks in ls gVkukA
33		fuf/k dh vfHkj{kk vkSj fofu/kku dk <ax fu/kkZfjr djus] ys[kkvksa ds j[ks tkus dh jhfr] fuf/k;ksa ds lapkyu dk mi;ksx fofu/kku ds fy, rFkk QkbZy dh tkus okyh dkuwuh foojf.k;ksa ds lfgr lwpuk iz.kkyh dh fuxjkuh vkSj izca/k ds fy, uhfr fu/kkZfjr djukA
34		ys[kkvksa dh laijh{kk 'kkldh; vadsa{kdksa ;k 'kklu }kjk vuqeksfnr pkVZM ,dkmUVsaV ¼lunh ys[kkiky½ ls djkus ckcr~ fuf'pr djukA
35		mlesa fufgr 'kfDr;ksa es ls leLr ;k fdlh Hkh 'kfDr dks lfefr ds fdlh vf/kdkjh ;k vf/kdkfj;ksa dks izR;k;ksftr djukA

क. 44—

		eaMy dh dk;Zokgh iqfLrdk%&eaMy dh cSBd dh laiw.kZ dk;Zokgh ,oa fy;s x;s fu.kZ; ,d dk;Zokgh iqLrd esa fy[ks tkosxs ,ao ml ij cSBd ds v/;{k,oa izca/k lapkyd ds gLrk{kj gksxsaA

क. 45—

		eaMy dk;Zdkfj.kh lfefr vkSj milfefr ds lnL; lfefr ds dk;Z ls lacf/kr izokl ds fy, izokl [kpZ o HkRrk rFkk cSBdksa esa Hkkx ysus ds fy, izokl [kpZ o cSBd 'kqYd bl laca/k esa cuk;s x;s ,oa iath;d }kjk vuqeksfnr fu;eksa ds vuqlkj izkIr dj ldsxsA

क.46—अध्यक्ष :—

		v/;{k lfefr ds vkelHkk eaMy ,oa milfefr;ksa ¼;fn dksbZ gksa½ dh cSBdksa dh v/;{krk djsxs rFkk ,sls vf/kdkjksa ,oa drZO;ksa dk ikyu djsxs tks le;≤ ij mUgas iznRr fd;s tk;sA eaMy }kjk fy;s x;s fu.kZ;ksa dk ikyu djkus ds fy;s izac/k lapkyd dks funsZf'kr djsxsaA

क. 47–प्रबंध संचालक :–

		lfefr ds izc/ak lapkyd dh fu;qfDr jkT; ljdkj }kjk lgdkfjrk foHkkx ds vf/kdkfj;ksa tks la;qDr iath;d Lrj ls fuEu u gks esa ls dh tk;sxhA izc/ak lapkyd lfefr dk eq[; dk;Zikyu vf/kdkjh gksxkA lfefr ds nSfud O;olk; dk lapkyu izca/k lapkyd }kjk fd;k tkosxkA vf/kfu;e fu;e ,oa eaMy }kjk lkSisa x;s vf/kdkj ,oa drZO;ksa ds v/khu fuEukuqlkj vf/kdkjksa ,oa drZO;ksa dk ikyu djsxkA
1		lfefr ds nSfud lHkh dk;ksZa dj i;Zos{k.k fu;a=.k ,oa ekxZn'kZu djukA
2		lfefr ds iz'kklu ij fu;a=.k ,oa i;Zos{k.k djuk rFkk deZpkfj;ksa dks dk;Z lkSiukA
3		lfefr ds deZpkfj;ksa ;k laoxZ ¼dsMj½ deZpkfj;ksa ds laca/k esa ,slh lHkh 'kfDr;ksa dk iz;ksx djuk tks mls iznRr dh tkosa A
4		deZpkfj;ksa }kjk ;fn dksbZ izfrHkwfr nh tku okyh gks rks izfrHkwfr dh jkf'k rFkk Lo:i fu/kkZfjr djukA
5		ea.My }kjk iznRr vf/kdkjksa dk iz;ksx djukA
6		lfefr dh vksj ls i= O;ogkj djukA
7		lfefr ds fofHkUu oxksZ ds deZpkfj;ksa ds vf/kdkj ,oa drZO; fu/kkZfjr djukA
8		izFke Js.kh ds Lrj ds deZpkfj;ksa ds LFkkukUrj.k] lfefr ds lsVvi ,oa O;kikfjd fgrksa dks /;ku esa j[krs gq, djukA
9		lfefr ds O;kikj laca/kh dk;Zdze rS;kj djuk vkSj mls lfefr dks izLrqr djukA

10		fdlh Hkh lgdkjh lkslk;Vh ds ftldk izca/k Hkkj] lfefr dks lkSik x;k gks dk;Z lapkyu gsrq O;fDr ;k O;fDr;ksa dks fu;qDr djuk vkSj le;≤ ij ,sls ifjorZu djuk tks fd vko';d le>s] ysfdu ,ssls dk;Z dh Lohd`fr dk;Zdkfj.kh lfefr ls izkIr djukA
11		e.My }kjk fu/kkZfjr 'krksZ ij lnL;ksa dks uxn rFkk oLrqvksa ds :i _.k ;k vfxze iznku djus dh Lohd`fr nsukA
12		mifu;e esa fu/kkZfjr mn~ns';ksa ,oa dk;ksZ ds fy, ea.My }kjk Lohd`r jkf'k O;; djukA
13		ea.My vkSj milfefr dh cSBd cqykukA
14		lfefr dk okf"kZd izfrosnu ,oa vU; izfrosnu tks ea.My }kjk pkgs x;s gk]s ea.My dks izLrqr djukA
15		vads{k.k izfrosnu] vadsf{kr ykHk gkfu vk;&O;; fLFkfr fooj.k fujh{k.k fVIif.k;kW izLrqr djuk vkSj mudh rkfey djkukA
16		okf"kZd vk;&O;; dk vuqeku i=d izLrqr djukA
17		eaMy dks lfefr }kjk fd;s tkus okys vkfFkZd O;ogkjksa rFkk ca/kuksa ds laca/k esa flQkfj'k djukA
18		lfefr ds O;olk; ,oa lfefr ls lacaf/kr lHkh ekeyksa ds fy, [kpZ dh Lohd`fr nsuk rFkk dk;Z djus ds fy, vf/kdkj nsukA
19		lfefr _.kksa] nkf;Roksa] nkoksa vkSj ekaxksa dk Hkqxrku djuk ;k iw.kZ 'kks/ku djukA
20		lk/kkj.kr% fdlh Hkh le; ,sls lHkh dk;Z djuk vkSj ,sls lHkh O;; djuk tks fd lfefr ds fgr esa ;k fgrksa dh j{kk ds fy, vko';d gksA
21		lfefr ds deZpkfj;ksa ij fu;a=.k j[kuk] ekxZn'kZu djuk rFkk i;Zos{k.k djukA
22		mlesa fufgr 'kfDr;ksa esa ls leLr ;k fdlh Hkh 'kfDr dks lfefr ds fdlh vf/kdkjh@vf/kdkfj;ksa dks izR;k;ksftr djukA
23		lfefr dh ys[kk laijh{kk izfrosnu iz'kkldh; foHkkx ds ek/;e ls fo/kkulHkk iksVZy ij j[ks tkus dh dk;Zokgh lqfuf'pr djukA
24		lfefr ds izca/k lapkyd dk mRrjnkf;Ro gksxk fd og ,sls

		vfHkys[k] jftLVj] ys[kk iqLrdsa cuk, j[ks vkSj lkslk;Vh jftLVªkj dks izR;sd foRrh; o"kZ dh lekfIr ds N% ekg ds Hkhrj foojf.k;ka izLrqr djsxk] ftlesa fuEufyf[kr fo"k; lfEefyr gksaxs vFkkZr~%&

	1	mlds fdz;kdykiksa dh okf"kZd fjiksVZA
	2	mlds ys[kkvksa ds laijhf{kr fooj.kA
	3	lfefr ds lk/kkj.k fudk; }kjk ;Fkk vuqeksfnr vfr'ks"k O;;u ds fy, IykuA
	4	lfefr dh mifof/k;ksa dh lwph ;fn dksbZ gksA
	5	mlds lk/kkj.k fudk; dk lfEeyu vk;ksftr djus dh rkjh[k ds laca/k esa ?kks"k.kk rFkk fuokZpu djkuk] tc visf{kr gks tk;sA
	6	vf/kfu;e ds mica/kksa esa jftLVªkj }kjk visf{kr dksbZ vU; tkudkjhA

fVIi.kh

lfefr ds izca/k lapkyd dk in fdlh Hkh dkj.ko'k fjDr gksus dh fLFkfr esa mifu;eksa esa mYysf[kr muds lHkh drZO; ,oa vf/kdkj lfefr ds lfpo dks gksxsA fdUrq eaMy dk dk;kZsRrj vuqeksnu vko';d gksxkA

<u>**क. 48–प्रबंध संचालक**</u>

		lfefr ds izca/k esa izca/k lapkyd dh fu;qfDr dh tk,xh ftldh ;ksX;rk dk fu/kkZj.k laLFkk ds lapkyd eaMy Onkjk fd;k tk,xk ,oa mu ;ksX;rkvksa dk vuqeksnu iath;d lgdkjh laLFkkvksa ls Hkh djk;k tk,xk A

<u>**क. 49– प्रबंध संचालक के अधिकार–**</u>

1		izca/k lapkyd Onkjk lfefr ds leLr oSrfud deZpkfj;ksa ds dk;ksZ ij fu;a=.k j[kus i;Zos{k.k djus rFkk ekxZn'kZu nsuk A
2		izca/k lapkyd Onkjk lfefr dk i= O;ogkj djukA
3		vf/kfu;e vkSj vf/kfu;e ds varxZr fu;eksa ds izko/kku ds vuqlkj lfefr dh iqfLrdk ls izfof"V;ka izekf.kr djukA
4		lfefr ds deZpkfj;ksa dks vodk'k iznku djukA
5		vf/kfu;e vkSj vf/kfu;e ds varxZr fu;eksa ds izko/kkuksa ds vuqlkj lnL;ksa dks lfefr ds dkxtkrksa vkSj nLrkostksa dk fujh{k.k djukA
6		lfefr ds deZpkfj;ksa ds vodk'k dk fglkc lsok iqLrd rFkk futh fjdkMZ j[ks tkus dh O;oLFkk djukA
7		vf/kfu;e ,oa vf/kfu;r ds varxZr fu;e rFkk vU; fdlh dkuwu ds vuqlkj izLrqr fd;s tkus okys fooj.k ¼fjVZUl½ izLrqr djukA
8		ea.My] v/;{k vFkok izc/ak lapkyd }kjk iznRr drZO; o vf/kdkj rFkk lfefr ds fdlh fu;eksa ds vuqlkj fn;s x;s drZO;ksa dk ikyu djuk rFkk vf/kdkjksa dk iz;ksx djukA
9		izc/ak lapkyd Onkjk lfefr ls lacaf/kr leLr ekeyksa esa lgk;rk djuk vkSj ,sls lHkh drZO;ksa dk ikyu djuk tks mUgs lapkyd Onkjk iznku d;s x;s gSa A
10		izca/k lapkyd le;≤ ij fu;qDr fd;s x;s deZpkfj;ksa dks fuyafcr djus foHkkxh; tkap djus]lsok lekfIr gVkus c[kkZLr djus] vFkkZn.M nsus ;k vU; izdkj ls nafMr djus ds vkns'k tkjh dj ldsxk A
11		lapkyd eaMy ds fu.kZ; vuqlkj laLFkk ds leLr oSrfud deZpkfj;ksa dh lsok lekfIr gVkus c[kkZLr djus] vFkkZn.M nsus ;k vU; izdkj ls nafMr djus ds vkns'k bl gsrq l{ke vf/kdkjh ds gLrk{kj ls izlkfjr djuk A dsoy mUgsa NksM+dj ftudh fu;qfDr jkT; 'kklu vFkok iath;d ds vuqeksnu ls fd;k tkrk gSA
12		lnL;rk ds fy;s vkosnu i= izkIr djukA

13		lfefr }kjk ;k lfefr ds fo:) lfefr ds dk;ksZ ls vU;Fkk lacaf/kr fdlh okn ;k vk; fof/kd dk;Zokgh ftuesa nhokuh] QkStnkjh] jktLo ;k vU; fdlh U;k;ky; vf/kdkj ds ds izdj.kk esa fof/kd dk;Zokfg;ksa lqfuf’pr djuk lapkfyr djuk] izfrj{k.k djuk] izLrqr djuk ;k ifjR;kx djuk] iSjoh] djuk] fopkj djuk] vkSj lfefr@e.My@izca/k lapkyd ds fofuf’p;ksa ds vuqlkj lfefr }kjk ;k lfefr ds fo:) fdUgh nkoksa ;kekax ds iz’eu djus dk vf/kdkj ’kkfey gS muds Hkqxrku ;k iqf"V ds fy, le{k vuqKkr djuk mu ’krksZ ij tSlk fd mfpr gks] vf/koDrk dkuwuh lykgdkj rFkk lfefr dh vksj ,sts.V@izHkkjh vf/kdkjh fu;qDr djuk rFkk muds esgurkus] Qhl ,oa ikfjJfed vkfn ds Hkqxrku dh Lohd\`fr nsukA
14		LFkkukarj.k fd, x, deZpkfj;ksa ds LFkkukUrj.k ds vkns’k izlkfjr djukA
15		fo’ks"k ifjfLFkfr;kWa tks mYysf[kr dh tkosxh] es ,sls lHkh dk;Z djuk vkSj ,sls lHkh O;; djuk tks lfefr djuk tks lfefr ds fgr es ;k fgrksa dh j{kk djus ds fy, vko’;d gks ,sls fd;s x;s dk;ksZ dk vuqeksnu dk;Zdkfj.kh ls djkuk gksxkA
16		lfefr ds deZpkfj;ksa ds ;k fuEu Js.kh ds deZpkfj;ksa vFkok fu;qfDr djuk tSlk fd os Bhd ;k vko’;d le>s rFkk mUgs fuyafcr djuk gVkuk] c[kkZLr djuk] vFkZn.M nsuk ;k vU; fdlh izdkj nafMr djuk ;k mUgs bl vof/k ds fy, tSlk fd vko’;drk le>s dk;Z ls vyx j[kukA

17		mifu;e vuqlkj va’k izek.k i=ksa dk uohuhdj.k djuk rFkk {kfriwfrZ i=d izkIr djuk tSlk fd os mfpr le>sA
18		lfefr }kjk ;k lfefr ds fo:) lfefr ds dk;ksZ ls vU;Fkk lacf/kr fdlh okn ;k vU; fof/kd dk;Zokfg;ksa ,oa lfefr@eaMy ds fofu’p; vuqlkj lfefr }kjk ;k lfefr ds fo:) fdUgh nkoksa ;k ekax dks lafLFkr djus] izfrj{k.k djus] iz’eu djus ;k ifjR;kx djus ;k muds Hkqxrku ;k +=qfV ds fy, vko’;d fof/kd dk;Zokfg;ka iw.kZ djus gsrq vko’;d vkns’k@funsZ’k nsukA
19		lfefr ds i{k esa leLr lfefr i=ksa rFkk djkjksa ij gLrk{kjA

20		e.My }kjk nh xbZ Lohd`fr ds vuqlkj laLFkk dh vksj ls rFkk laLFkk ds uke ij py ;k vpy lEifRr ds dz;&fodz; mijksDr laca/kh nLrkostksa dks fu"iknu djuk rFkk ml laca/k esa vU; leLr dk;Zokgh djukA
21		lfefr dh vksj ls rFkk lfefr ds uke] _.k rFkk vekur izkIr djus gsrq cpr i= ¼izkfeljh uksV½ nLrkostksa vkSj vU; dkxtkr fu"iknu djuk vkSj gLrk{kj djuk rFkk vU; leLr dk;Zokgh djukA
22		eaMy }kjk nh xbZ Lohd`fr ds vuqlkj dksbZ py lEifRr vpy lEifRr va'k izfrHkwfr nLrkostksa ds fodz; fxjoh rjg gLrkarj.k i`"Bkadu ;k vU; izdkj ls Qjks[r laca/kh dkxtkrksa vkSj nLrkostksa dks lfefr dh vksj ls fu"ikfnr djukaA
23		iw.kZ 'kks/ku gksus ij lfefr ds nkoksa vkSj eksuksa dks NksM+uk ;k mUeqDr djukA
24		lfefr dh fdlh py ;k vpy lEifRr ds lq/kkj ;k ejEer djus dh Lohd`fr iznku djukA
25		mlesa fufgr 'kfDr;ksa es ls leLr ;k fdlh Hkh 'kfDr dks lfefr ds fdlh vf/kdkjh ;k vf/kdkfj;ksa dks izR;k;ksftr djukA
26		lapkyd eaMy ds vuqeksnu ds i'pkr okf"kZd lk/kkj.k lHkk] lapkyd eaMy rFkk mi lfefr;ksa ¼;fn dksbZ gks½ dh cSBd vkgwr djuk] cSBd gsrq O;oLFkk rFkk dk;Zokgh forj.k dks vuqeksnu mijkUr tkjh djukA

<u>क. 50– okf"kZd ys[kk vkSj ykHk</u>

		øvÀ lfefr ds ys[ks 31 ekpZ dks cUn fd;s tkosxsA
		øcÀ ykHk&gkfu ys[kk vkSj fLFkfr fooj.k le;≤ ij fu/kkZfjr izi= esa cuk;s tkosxsaA
		ølÀ lgdkjh vf/kfu;e ;k mlds varxZr fufeZr fu;eksa esa ;fn foijhr izko/kku u gks rks O;kikfjr ys[kk] ykHk&gkfu ys[kk ,oa fLFkfr fooj.k ds fy,%&

	1	o"kZ das var esa O;kikfjd eky ds Lda/k dk ewY;kadu ykxr ewY; ls ;k cktkj ewY; ls bu nksuks esa tks Hkh de gks ekU; gksxkA
	2	O;kikfjd eky ds Lda/k dks NksM+ vU; Hkouksa]e'khujh vkSj ;a=ks ds QuhZpj rFkk t[khjk vU; fofu;ksaxksa ¼bUosLVesaV½ ftudk cktkj ewY; de gks x;k gks dk vo{k;.k ¼fMfizfl;s'ku½ dkVk tkosxkA
	3	lfefr ds leLr vkdfLed nkf;Roksa] 'kadkLin] _.kksa] lEifRr;ksa rFkk nkoksa ds fy, izko/kku fd;k tkosxkA
	4	leLr v'kks/; _.kksa] nkoksa] cdk;k jkf'k;ksa ,oa vuqiyC/k lEifRr;ksa rFkk gkfu;ksa dks lek;kstu ¼lsVvi½ fd;k tkosxkA
	5	jkT; lgjdkjh lfefr e;kZfnr] jk"Vªh; lgdkjh lfefr e;kZfnr ubZ fnYyh rFkk iath;d }kjk mYysf[kr vU; laLFkk vFkok lfefrksa dks pUnk fn;k tkosxkA
		ønÀ;fn iath;d }kjk va'kr% ;k iw.kZr% eqqDr u fd;k x;k gks rks 'kq) ykHk dh de ls de 25 izfr'kr jkf'k jf{kr fuf/k ¼fjtoZ Q.M½ esa tek dh tkosxhA
		øbÀ mijksDrkuqlkj tks vof'k"V ykHk jgsxk mls vkelHkk }kjk vf/kfu;e ,oa fu;eksa ds v/;/khu jgrs gq, fuEukuqlkj forj.k fd;k tk ldsxkA
	1	iw.kZr% pqdk;s x;s va'kks ij 25 izfr'kr ykHkk'k nsus esa ;fn eaMy 25 izfr'kr ls vf/kd ykHkka'k dh flQkfj'k djrk gS rks iath;d dh Lohd`fr vko';d gksxhA
	2	lnL; laLFkkvksa dks vogkj ¼fjcsV½ ,oa vfrfjDr deh'ku nsus esa tks ea.My flQkfj'k ls vf/kd u gksA
	3	deZpkfj;ksa dks cksul nsus esa tks e.My dh flQkfj'k ls vf/kd u gksA
	4	lk/kkj.k va'kiwath ekspu fuf/k ¼'ks;j fjMsEi'ku Q.M½ es 20 izfr'kr jkf'k varfjr dh tkosxhA
	5	fuEufyf[kr fdlh Hkh ;k lHkh fuf/k;ksa ¼QaM½ esa fofu;ksftr djus esa%&
		¼v½ Hkou fuf/k]
		¼vk½ ykHkka'k larqyu fuf/k]
		¼b½ ewy vfLFkjrk fuf/k]
		¼bZ½ deZpkjh dY;k.k fuf/k]

		¼m½ vU; fuf/k;ka] tks vko';d le>h tkosaA

क. 51– jf{kr fuf/k ,oa fuf/k;ksa dk fofu;kstu&

		(अ)रक्षित निधि तथा अन्य निधियां पूर्णतः समिति की होगी और अभिभाज्य होगी और किसी भी सदस्य द्वारा इनके किसी भी भागपर दावा नही किया जा सकेगा।
		(ब) पंजीयक के निर्देश पर उसके द्वारा निर्धारित शर्तो एवं सहकारी अधिनियम या नियमों के अनुसार रक्षित निधि का विनियोग या उपयोग किया जा सकेगा।
		(स) अन्य निधियों का विनियोग या उपयोग मण्डल द्वारा समय–समय पर लिए गए निर्णयों के अनुसार किया जावेगा, किन्तु किसी भी निधि का विनियोग बिना पंजीयक की स्वीकृति के अचल संपत्ति में नहीं किया जा सकेगा।
		(द) परिसमापन पर रक्षित निधि तथा अन्य का उपयोग अधिनियम तथा नियमों के अनुसार किया जा सकेगा।

क. 52–

		पंजीयक द्वारा समय–समय पर निर्धारित की गई हिसाब पुस्तकों और पंजियों के अतिरिक्त समिति का हिसाब ऐसी हिसाब पुस्तकों तथा पंजियों में रखा जावेगा जो कि व्यवसाय की दृष्टि से आवष्यक हो।

क. 53–

		समिति मे पटाई गई समस्त राषियों के लिए सचिव द्वारा अधिकृत व्यक्तियों द्वारा अधिकारिक पावतियां दी जावेगी और केवल ऐसी दी गई पावतिया ही वैध और समिति पर बंधनकारी होगी।

क. 54–

		उपनियम अथवा उपनियमों में कोई भी संशोधन परिवर्तन या निरस्तीकरण या नवीन उपनियमों या उपनियम का बनाना अधिनियम तथा अधिनियम के अंतर्गत नियमों के प्रावधान के अनुसार संस्था के vkelHkk के प्रस्ताव

		द्वारा किया जावेगा, जो सहकारी समितियां नियम मे निहित प्रक्रिया के अनुसार पंजीयक को प्रस्तुत किए जावेगे तथा वे उस दिन से लागू होगे, जिस दिन पंजीयक द्वारा उनका पंजीयन सहकारी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही कर किया जावे। यदि पंजीयक या शासन सहकारी अधिनियम में वर्णित समयावधि में या रीति से कार्यवाही नही करते है, तो निर्धारित समयावधि के पष्चात आम सभा द्वारा पारित उपनियम या उपनियमों में संषोधन यथावत पंजीयत समझे जावेगे।

क. 55–

		समिति के व्यवसाय, संचालन प्रबंध एवं विधान से संबंधित कोई भी विवाद समिति द्वारा अथवा विवादों, पक्षों द्वारा पंजीयक अथवा पंजीयक द्वारा मनोनित व्यक्ति के समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा और ऐसे विवाद अधीनियम एवं अधीनियम के अतंर्गत नियम के अधीन होगे।

क. 56–

		समिति द्वारा किए जाने वाले दावे एवं समिति पर किए जाने वाल दावे समिति के सचिव के नाम पर होगे।

क. 57–

		समिति पर या समिति के किसी अधिकारी के विरूद्ध समिति के विधान प्रबंध और व्यवसाय से संबंधित कोई भी दावा अधिनियम के प्रावधान के अनुसार बिना सूचना (नोटिस) दिये दायर नही किया जा सकेगा।

क. 58–

		यदि कोई विपरीत प्रावधान न किया गया हो तो वह भी इन उपनियमों के अनुसार समान अधिकार प्रबंध संचालक, सचिव या अन्य किसी सेवायुक्त को प्राप्त है, तो उन अधिकारों का प्रयोग इनमें से वरिष्ठ अधिकारी के द्वारा किया जा सकेगा।

क. 59–

		ऐसे सभी मामले जिनका इन नियमों में विषेष रूप से उल्लेख न हो, अधिनियम एवं अधिनियम के अंतर्गत नियमों में प्रावधान के अनुसार नियंत्रित होगे तथा उन पर निर्णय लिये जावेगे।

क. 60–

		समिति का परिसमापन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पंजीयक के आदेष द्वारा होगा और परिसमापक की नियुक्ति एवं परिसमापन संबंधी अन्य कार्यवाहियां अधिनियम के अंतर्गत नियम के प्रावधानों के अनुसार नियंत्रित होगी।

क्र. 61–

		इन उपनियमों की व्याख्या के संबंध में कोई विवाद होने की दशा में, उसे पंजीयक सहकारी संस्थाऐं म.प्र. को प्रेषित किया जावेगा तथा पंजीयक का निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा।

——0——